

红楼梦诗词

朱大江  
编著

硬 笔 多 体 字 帖



# 異立新標

大江先生硬筆書法集出版誌賀

壬午春月於白河 創生



翻印必究



版權所有

## 红楼梦诗词硬笔多体字贴

编 著：朱大江

编 辑：朱晴虹

出版发行：香港天马图书有限公司

香 港：上水新成路 123 号 3 楼

电 话：26706633

印 刷 者：明故宫印刷厂

定 价：港币 10 元 / 人民币 10 元

作者签名盖章

2002 年 10 月初版

---

ISBN962-450-084-3/D•44925

凡有印装质量问题可向印厂调换

## 作者自序

江苏是文化大省，南京（金陵）是省会所在地，地形险要，古人曾以“钟山龙盘，石城虎踞”来形容六朝古都。历史上曾有十个朝代在此建都，因此古迹较多，旅游资源丰富。早在二百多年前，清代著名小说作家曹雪芹写过长篇小说：以金陵贾、史、王、薛四大家族兴衰史为背景的《石头记》又名《红楼梦》。诚如鲁迅先生评价过“自有《红楼梦》出来以后，传统思想和写法都打破了。”尤其它里边插入的二百多首诗词赋等。数量多、形式新，可谓空前，因此它在国内和邻邦好几个国家都有藏本。他祖辈几代都当过清皇朝“江宁织造府”官。雍荣华贵、金碧辉煌的“云锦”也闻名国内外。他童年时代生长在花柳繁华之乡，钟鸣鼎食之家，使他耳濡目染，成为他后来写书的主要素材。在他被抄家沦落贫穷后仍艰苦地精心写下悲金悼玉的《红楼梦》实属难能可贵。

入世后的中国旅游行业，会有更大发展。随之而来的游客除在当地吃、穿、玩外，旅游小商品如能有特色，带有纪念性，并有文化内涵，物美价廉，定会受到游客的欢迎的。为此我花了几年时间，已编著了有关《红楼梦》书、诗、画、印小册子三本。现先出版一本《红楼梦诗词、硬笔多体字贴》，该诗全录自曹雪芹的原著。

中国汉字除实用外，还有它独特艺术的一面。过去书写工具都是毛笔。自从硬笔（包括钢笔、圆珠笔、铅笔等）问世以来，最早提出写好钢笔字的文章发表在《中国钢笔字书法集锦》一书上，一位是叶圣陶：“写给青少年几句话”；再一位江丰：“愿青少年普遍写好钢笔字”。在他们的提倡下，近十几年，出了大批硬笔书法书，形成了百花齐放的局面，它写出的字各派纷呈，很受人民大众喜爱。拙作虽属正楷，但书法风格有好多种。为了便利青少年学习参考，我字体一律采用现行简化字体。是否适合现代青少年口味？亦未可知。但愿起到抛砖之效，愿望即实现了！

其中题字：田原、黄丕谟、陶铨（已故），插图陈耀，对他们的支持，我在此表示衷心感谢。小册子虽经多次修改，但由于书法和思想水平限制，如有缺点和不足之处，敬希老前辈和书法爱好者不吝批评指教，以便再版时改正。

江村写于秦淮河畔晚晴楼

2002年10月

# 目 录

|             |    |
|-------------|----|
| 题顽石记，顽石偈    | 1  |
| 中秋对月有怀，雨村   | 2  |
| 嘲甄士隐，和尚     | 2  |
| 对月寓怀，雨村     | 2  |
| 好了歌，道人      | 3  |
| 好了歌解，士隐     | 4  |
| 西江月宝玉二首     | 5  |
| 护官符，春梦歌，仙姑  | 6  |
| 警幻仙姑赋       | 7  |
| 警幻仙姑赋       | 8  |
| 警幻仙姑赋       | 9  |
| 《金陵十二钗正册》判词 | 10 |
| 林黛玉和薛宝钗     | 10 |
| 贾迎春         | 10 |
| 妙玉          | 11 |
| 贾元春         | 11 |
| 贾探春         | 11 |
| 贾惜春         | 11 |

|             |    |
|-------------|----|
| 史湘云         | 12 |
| 王熙凤         | 12 |
| 李纨          | 12 |
| 巧姐          | 13 |
| 秦可卿         | 13 |
| 《金陵十二钗副册》判词 | 13 |
| 英莲          | 13 |
| 《金陵十二钗又副册》  | 14 |
| 晴雯          | 14 |
| 袭人          | 14 |
| 红楼梦十二支曲     | 15 |
| 引子          | 15 |
| 终身误         | 15 |
| 枉凝眉         | 16 |
| 好事终         | 17 |
| 恨无长         | 17 |
| 分骨肉         | 18 |
| 乐中悲         | 19 |

|           |    |
|-----------|----|
| 世难容       | 20 |
| 喜冤家       | 21 |
| 留余庆       | 21 |
| 虚花悟       | 22 |
| 聪明累       | 23 |
| 晚韶华       | 24 |
| 飞鸟各投林     | 25 |
| 嘲顽石诗      | 26 |
| 大观园中题诗    | 27 |
| 题大观园，元春   | 27 |
| 题旷性怡情，迎春  | 27 |
| 题文采风流，探春  | 28 |
| 题文章造化，惜春  | 28 |
| 题万象争辉，李纨  | 29 |
| 题凝晖钟瑞，宝钗  | 29 |
| 题世外仙源，黛玉  | 30 |
| 题有凤来仪，宝玉  | 30 |
| 题蘅芷清芬，宝玉  | 31 |
| 题怡红快绿，宝玉  | 31 |
| 代题杏帘在望，黛玉 | 32 |
| 有凤来仪，杏帘在望 | 32 |

|              |    |
|--------------|----|
| 参禅偈，宝玉       | 33 |
| 题宝玉读《簪》文后，黛玉 | 33 |
| 寄生草解偈，宝玉     | 34 |
| 春灯雅谜         | 35 |
| 砚台，贾政        | 35 |
| 爆竹，元春        | 35 |
| 算盘，迎春        | 35 |
| 风筝，探春        | 35 |
| 佛前海灯，惜春      | 36 |
| 更香，黛玉        | 36 |
| 镜子，宝玉        | 36 |
| 竹夫人，宝钗       | 36 |
| 四时即事诗        | 37 |
| 春夜即事         | 37 |
| 夏夜即事         | 37 |
| 秋夜即事         | 38 |
| 冬夜即事         | 38 |
| 咏通灵宝玉，和尚     | 39 |
| 咏黛玉哭花阴       | 39 |
| 葬花辞（吟），黛玉    | 40 |
| 葬花辞（吟），黛玉    | 41 |

|             |    |
|-------------|----|
| 葬花辞（吟），黛玉   | 42 |
| 唱曲，宝玉       | 43 |
| 题帕诗三首（一），黛玉 | 44 |
| 题帕诗三首（二），黛玉 | 44 |
| 题帕诗三首（三），黛玉 | 44 |
| 白海棠诗        | 45 |
| 咏白海棠，探春     | 45 |
| 咏白海棠，宝钗     | 45 |
| 咏白海棠，宝玉     | 46 |
| 咏白海棠，黛玉     | 46 |
| 白海棠和韵，湘云    | 47 |
| 其二          | 47 |
| 菊花诗十二首      | 48 |
| 忆菊，宝钗       | 48 |
| 访菊，宝玉       | 48 |
| 种菊，宝玉       | 49 |
| 对菊，湘云       | 49 |
| 供菊，汀云       | 50 |
| 咏菊，黛玉       | 50 |
| 画菊，宝钗       | 51 |
| 问菊，黛玉       | 51 |

|              |    |
|--------------|----|
| 簪菊，探春        | 52 |
| 菊影，湘云        | 52 |
| 菊梦，黛玉        | 53 |
| 残菊，探春        | 53 |
| 咏蟹诗三首        | 54 |
| 其一，宝玉        | 54 |
| 其二，黛玉        | 54 |
| 咏蟹，宝钗        | 55 |
| 暖香坞制谜        | 55 |
| 松球，宝钗        | 56 |
| 风筝，宝钗        | 56 |
| 走马灯，黛玉       | 56 |
| 代别离·秋窗风雨夕，黛玉 | 57 |
| 咏月三首         | 58 |
| 其一，香菱        | 58 |
| 其二，香菱        | 58 |
| 其三，香菱        | 59 |
| 咏痢和尚和破道士     | 59 |
| 芦雪庭即景联句咏雪    | 60 |
| 凤姐、黛玉        | 61 |
| 探春、湘云等       | 62 |

|           |    |
|-----------|----|
| 咏红梅诗      | 63 |
| 赋得红梅花，岫烟  | 63 |
| 赋得红梅花，李纹  | 63 |
| 赋得红梅花，宝琴  | 64 |
| 访妙玉乞红梅，宝玉 | 64 |
| 怀古七绝十首    | 65 |
| 赤壁怀古，宝琴   | 65 |
| 高趾怀古，宝琴   | 65 |
| 钟山怀古，宝琴   | 65 |
| 广陵怀古，宝琴   | 66 |
| 桃叶渡怀古，宝琴  | 66 |
| 青冢怀古，宝琴   | 66 |
| 马嵬怀古，宝琴   | 67 |
| 蒲东寺怀古，宝琴  | 67 |
| 梅花观怀古，宝琴  | 67 |
| 淮阴怀古，宝琴   | 68 |
| 宝玉离家，宝玉吟句 | 68 |
| 黛玉临镜，黛玉咏象 | 68 |
| 惜春口占偈语    | 69 |
| 真真国女儿诗    | 69 |
| 五美吟       | 70 |

|              |    |
|--------------|----|
| 西施，黛玉        | 70 |
| 虞姬，黛玉        | 70 |
| 明妃，黛玉        | 70 |
| 绿珠，黛玉        | 71 |
| 红拂，黛玉        | 71 |
| 桃花行，黛玉       | 72 |
| 桃花行，黛玉       | 73 |
| 柳丝词          | 74 |
| 临江仙·咏絮，宝钗    | 74 |
| 如梦令·咏絮，湘云    | 75 |
| 西江月·咏絮，宝琴    | 75 |
| 南柯子·咏絮，探春、黛玉 | 76 |
| 唐多令·咏絮，黛玉    | 77 |
| 凹晶馆联句三十五韵    | 78 |
| 黛玉、妙玉等       | 79 |
| 湘云寺          | 80 |
| 婉媚词三首        | 80 |
| 五律，贾环        | 81 |
| 七律，贾兰        | 81 |
| 长篇歌行，宝玉      | 82 |
| 长篇歌行，宝玉      | 83 |

|              |       |
|--------------|-------|
| 长篇歌行, 宝玉     | 84    |
| 芙蓉女儿谏, 宝玉    | 85-94 |
| 歌谣, 紫菱洲歌, 宝玉 | 95    |
| 致林黛玉的信和诗, 宝钗 | 96    |
| 致林黛玉的信和诗, 宝玉 | 97    |
| 琴词, 黛玉       | 98    |
| 悟禅偈, 惜春      | 99    |
| 悼雯词, 宝玉      | 99    |
| 赏海棠花妖诗       | 100   |
| 其一, 宝玉       | 100   |
| 其二, 贾环       | 100   |
| 其三, 贾兰       | 100   |
| 仙乩文, 白帖, 签文  | 101   |
| 通买宝玉与金锁铭文    | 102   |
| 贾母令          | 103   |
| 薛姨妈令         | 104   |
| 湘云令          | 105   |
| 宝钗令          | 106   |
| 黛玉令          | 107   |
| 刘姥姥令         | 108   |
| 贾氏宗祠         | 109   |

|          |         |
|----------|---------|
| 星辉辅弼     | 109     |
| 慎终追远     | 109     |
| 宝钗诗谜     | 110     |
| 宝玉诗谜     | 110     |
| 黛玉诗谜     | 110     |
| 福喜福淫     | 111     |
| 真如福地     | 111     |
| 引觉情痴     | 111     |
| 冯紫英家酒宴令  | 112     |
| 匿名揭帖上顺口溜 | 113     |
| 赞会芳园     | 114     |
| 琴词       | 115-116 |
| 赞林黛玉     | 117     |
| 寄生草      | 118     |
| 祭晴雯      | 119     |
| 离尘歌      | 120     |

## 题《石头记》

满纸荒唐言，一把辛酸泪！  
都云作者痴，谁解其中味？

## 顽石偈

无才可去补苍天，枉入红尘若许年；  
此系身前身后事，倩谁记去作奇传？

中秋对月有怀

未卜三生愿，频添一段愁；  
闷来时敛额，行去几回头。  
自顾风前影，谁堪月下俦？  
蟾光如有意，先上玉人楼。

嘲甄士隐

惯养娇生笑你痴，菱花空对雪颦眉；  
好防佳节元宵后，便是烟消火灭时。

对月寓怀

时逢三五便团圆，满把清光护玉栏，  
天上一轮才捧出，人间万姓仰头看。

## 好了歌

|          |          |
|----------|----------|
| 世人都晓神仙好， | 惟有功名忘不了！ |
| 古今将相在何方： | 荒冢一堆草没了。 |
| 世人都晓神仙好， | 只有金银忘不了！ |
| 终朝只恨聚无多， | 及到多时眼闭了。 |
| 世人都晓神仙好， | 只有姣妻忘不了！ |
| 君生日日说恩情， | 君死又随人去了。 |
| 世人都晓神仙好， | 只有儿孙忘不了！ |
| 痴心父母古来多， | 孝顺子孙谁见了？ |

## 《好了歌》解

陋室空堂，当年笏满床；  
衰草枯杨，曾为歌舞场；  
蛛丝儿结满雕梁，绿纱今又在蓬窗上。  
说甚么脂正浓，粉正香，如何两鬓又成霜？  
昨日黄土陇头埋白骨，今宵红绡帐底卧鸳鸯。  
金满箱，银满箱，转眼乞丐人皆谤；  
正叹他人命不长，那知自己归来丧？  
训有方，保不定日后作强梁。  
择膏粱，谁承望流落在烟花巷！  
因嫌纱帽小，致使锁枷扛；  
昨怜破袄寒，今嫌紫蟒长。  
乱烘烘你方唱罢我登场，反认他乡是故乡；  
甚荒唐，到头来都是为他人作嫁衣裳。

## 评贾宝玉二首

无故寻愁觅恨，有时似傻如狂。纵然生得好皮囊，腹内原来草莽。潦倒不通庶务，愚顽怕读文章。行为偏僻性乖张，那管世人诽谤。

富贵不知乐业，贫穷难耐凄凉。可怜辜负好时光，于国于家无望。天下无能第一，古今不肖无双。寄言纨袴与膏粱，莫效此儿形状。

### 护 官 符

贾不假，白玉为堂金作马。

阿房宫，三百里，住不下金陵一个史。

东海缺少白玉床，龙王来请金陵王。

丰年好大“雪”，珍珠如土金如铁。

### 春 梦 歌

春梦随云散，飞花逐水流；

寄言众儿女：何必觅闲愁。

## 警幻仙姑赋

方离柳坞，乍出花房。  
但行处，鸟惊庭树；  
将到时，影度回廊。  
仙袂乍飘兮，闻麝兰之馥郁；  
荷衣欲动兮，听环珮之铿锵。  
靥笑春桃兮，云髻堆翠；  
唇绽樱颗兮，榴齿含香；  
盼纤腰之楚楚兮，风回雪舞。  
耀珠翠之的的兮，鸭绿鹅黄。